SET- III

माध्यमिक परीक्षा 2019

वर्ग – दशम

विषय– हिन्दी 'ए'

समय – 3 घंटे

पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपनी ही भाषा– शैली में उत्तर दें।
2. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड है यथा– क, ख, ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने उपांत में अंकित है।
4. प्रश्नों में उत्तर प्रश्नों के साथ दिये गये निर्देशों के आलोक में ही लिखें।

खण्ड – क (अपठित गद्यांश 08 + अपठित काव्यांश 07 = 15 अंक

1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 1

आज के युग में कम्प्यूटर का आविष्कार एक वरदान की तरह हुआ है। कम्प्यूटर दुनिया के जटिल से जटिल और श्रमसाध्य कार्यो को चुटकी बजाते ही हल कर देता है। कम्प्यूटर भविष्यवाणी तक कर सकता है, मनोरंजन करा सकता है तथा दुनिया की किसी भी जानकारी को पकड़ सकता है। कम्प्यूटर सूचनाओं को मानव–मस्तिष्क से अधिक तीव्र गति से विश्लेषित कर सकता है। कम्प्यूटर को ही संचार के क्षेत्र में आई क्रांति का वास्तविक कारण माना जा सकता है। यह एक ऐसा इलेक्ट्रोनिक उपकरण है, जिसमें सूचनाओं का चुंबकीय टेप भरा जाता है। इसमें चिप पर कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं। चिप आदमी के नाखूनों के बराबर होते हैं। इस पर पैकेज तैयार होते हैं, जिसके माध्यम से कम्प्यूटर कार्य करता है। 1

कम्प्यूटर में टेलीविजन की तरह ही एक स्क्रीन होती है। उससे जुड़ा हार्डवेयर होता है और उसी से जुड़ा टाइपराइटर की तरह ही अंकित अक्षरों वाला एक उपकरण होता है जिसे 'की बोर्ड' कहते हैं। कम्प्यूटर में मेमोरी अर्थात् स्मृति की व्यवस्था होती है। कम्प्यूटर की मेमोरी में सूचनाओं को सुरक्षित रखा जाता है। इसमें एक प्रिंटर भी होता है, जिसके द्वारा सूचनाएँ मुद्रित की जाती हैं।

प्रश्न (क) कम्प्यूटर आज के युग में वरदान है। कैसे? 2

(ख) कम्प्यूटर क्या–क्या कार्य कर सकता है? 2

(ग) कम्प्यूटर में क्या–क्या उपकरण होते हैं? 2

(घ) चिप किसे कहते हैं? 2

(ङ) 'श्रमसाध्य' का अर्थ लिखिए। 1

2 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

रवि जग में शोभा सरसाता, सोम सुधा बरसाता।
सब हैं लगे कर्म में, कोई निष्क्रिय दृष्टि न आता

है उद्देश्य नितांत तुच्छ तृण के भी लघु जीवन का
उसी पूर्ति में वह करता है अंत कर्ममय तन का।।
तुम मनुष्य हो, अमित बुद्धि–बल विलसित जन्म तुम्हारा।
क्या उद्देश्य रहित हो जग में, तुमने कभी विचारा?
बुरा न मानो एक बार सोचो तुम अपने मन में,
क्या कर्त्तव्य समाप्त कर लिया तुमने निज जीवन में?
जिसपर गिरकर उदर–दरी से तुमने जन्म लिया,
जिसका खाकर अन्न सुधारस नीर, समीर पिया है,
वही स्नेह की मूर्ति दयामयि माता तुल्य मही है,
उसके प्रति कर्त्तव्य तुम्हारा क्या कुछ शेष नहीं है?

प्रश्न (क) आप कैसे कह सकते हैं कि प्रकृति सदा कर्म में लगी रहती है? 2
(ख) जीवन में लोगों का उद्देश्य क्या होना चाहिए? 2
(ग) सूर्य और चन्द्रमा क्या करते हैं? 1
(घ) मानव जीवन की क्या विशेषता है? 1
(ङ) इस पद्यांश में धरती को क्या कहा गया है? 1

खण्ड – ख (व्यावहारिक व्याकरण) : 15 अंक

प्रश्न 3 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :
(क) बच्चा दूध पीता है। (क्रिया के भेद का नाम लिखिए) 1
(ख) हम विद्यालय जा रहे हैं। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए) 1
(ग) वह राँची में रहता है। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए) 1

प्रश्न 4 अव्यय पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :–
(क) खूब मन लगाकर पढ़ो .... परीक्षा में प्रथम आओ। 1
(ख) वह .... खा रहा है। 1
(ग) आज धन .... कोई नहीं पूछता। 1
(घ) अब वह .... नाच लेता है। 1

प्रश्न 5 निर्देशानुसार उत्तर कीजिए :–
(क) सरल वाक्य किसे कहते हैं? 1
(ख) जहाँ तुम पढ़ते थे, वहीं मैं पढ़ता था। (यह किस प्रकार का वाक्य है)? 1
(ग) रमेश पतंग उड़ा रहा है। (कर्मवाच्य में बदलें) 1
(घ) मुझसे अब चला नहीं जाता। (वाच्य का भेद लिखें) 1

प्रश्न 6 निर्देशानुसार उत्तर कीजिए :
(क) 'ग्रामसेवक' का समास विग्रह करें। 1
(ख) 'यथाशक्ति' कौन समास है? 1
(ग) कर्मधारय समास का एक उदाहरण दीजिए। 1
(घ) 'कनक' शब्द के दो भिन्न अर्थ लिखिए। 1

खण्ड – ग (पाठ्य–पुस्तके : 30 अंक)

प्रश्न 7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

अब हालदार साहब को बात कुछ–कुछ समझ में आई। एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है। बल्कि आहत करती है, मानो चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो। इसलिए वह अपनी छोटी सी दुकान में उपलब्ध गिने–चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता है। लेकिन जब कोई ग्राहक आता है और उसे वैसे ही फ्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है तो कैप्टन चश्मेवाला मूर्ति पर लगा फ्रेम–संभवतः नेताजी से क्षमा मांगते हुए लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेताजी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है। वाह! भई खूब! क्या आइडिया है।

(क) चश्मेवाला अपने चश्मे कैसे बेचता है? 2

(ख) चश्मेवाला मूर्ति का चश्मा क्यों बदल देता है? 2

(ग) चश्मेवाला को लोग किस नाम से जानते हैं? 1

अथवा

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखो सजदे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज के बाद सजदे में गिड़गिड़ाते हैं – 'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ। उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा, फिर कहेगा, ले जा अमीरूद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी।

(क) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है? 2

(ख) बिस्मिल्ला खाँ को परमात्मा पर किस चीज का विश्वास है? 2

(ग) इस गद्यांश में बिस्मिल्ला खाँ अपनी कला को किसकी देन मानते है? 1

प्रश्न 8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2x4=8

(क) बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

(ख) लेखक ने फादर बुल्के को 'मानवीय करूणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है?

(ग) लेखिका के व्यक्तित्व पर किन–किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा?

(घ) लेखक को नवाब साहब के किन हाव भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं है?

प्रश्न 9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर

दीजिए :

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगातैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति–नदी मैं पाऊँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।।

(क) गोपियों ने उद्धव को भाग्यशाली क्यों कहा है? 2

(ख) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस–किस से की गई है? 2

(ग) कौन स्वयं को अबला और भोरी कह रही है? 1

अथवा

धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य।
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य।
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होती जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान।

(क) कवि स्वयं को क्या कहता है और क्यों? 2

(ख) कवि किसकी माँ को धन्य कह रहा है और क्यों? 2

(ग) मधुपर्क का अर्थ लिखें। 1

प्रश्न 10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2x4=8

(क) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या–क्या विशेषताएँ बताई?

(ख) कविता में बादल किन–किन अर्थों की ओर संकेत करता है?

(ग) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को क्या–क्या सीख दी?

(घ) संगतकार किन–किन रूपों में मुख्य गायक–गायिकाओं की मदद करते है?

प्रश्न 11 सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता या बदहवासी दिखाई देती है वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती है।

अथवा

कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग–अलग अवसरों की ओर संकेत करता है?

खण्ड –घ (रचना लेखन : 20 अंक)

प्रश्न 12 दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) मेरे जीवन का लक्ष्य :
(संकेत बिन्दु – भूमिका, मेरा लक्ष्य, लक्ष्य क्यों, तैयारी)

(ख) विज्ञान का चमत्कार :
(संकेत बिन्दु – वरदान के रूप में, अभिशाप के रूप, निष्कर्ष)

(ग) वन संपदा और उसका संरक्षण :
(संकेत बिन्दु – प्रस्तावना, वनों का योगदान, उपसंहार)

प्रश्न 13 प्रधानाचार्य को आर्थिक सहायता के लिए प्रार्थना पत्र लिखें।

अथवा

अपने मुहल्ले की सफाई कराने हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को प्रार्थना पत्र लिखें।

प्रश्न 14 आप अपने पुराने फ्रिज बेचने के लिए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

अथवा

छात्रों में खेल के प्रति रूचि बढ़ाने के लिए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।